

विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

वर्ग-नवम

विषय-हिन्दी

॥ अभ्यास-सामग्री ॥

॥ साखी एवं सबद ॥

निर्देश -दी गयी सामग्री को याद करें तथा
अपनी कांपी में लिखें । यह परीक्षोपयोगी है ।

Question 1.

मोको कहाँ दंदे बंदे, 'मैं' तो तेरे पास में इसमें मैं' किसके लिए प्रयोग हुआ है।

- (a) कबीर दास के लिए
- (b) अहंकार के लिए
- (c) भगवान के लिए
- (d) मनुष्य के लिए

Answer

Answer: (c) भगवान के लिए

Question 2.

कबीर के अनुसार ईश्वर का वास कहाँ है

- (a) मंदिर में
- (b) जंगल में
- (c) आकाश में
- (d) प्रत्येक जीव की साँसों में

Answer

Answer: (d) प्रत्येक जीव की साँसों में
प्रत्येक जीव की साँसों में ईश्वर घर-घट वासी है।

कबीर ने संत के क्या लक्षण बताए हैं।

- (a) वह किसी एक मत को मानता है
- (b) वह अपने पक्ष का समर्थन करने वाला होता है
- (c) वह निरपेक्ष होकर ईश्वर का भजन करता है
- (d) वह सभी मतों को मानता है

Answer

Answer: (c) वह निरपेक्ष होकर ईश्वर का भजन करता है

Question 4.

ज्ञान की आंधी आने पर क्या होता है?

- (a) मनुष्य का भ्रम दूर हो जाता है
- (b) माया-मोह से छुटकारा मिल जाता है
- (c) मनुष्य की अज्ञानता समाप्त हो जाती है
- (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

Answer

Answer: (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

मनुष्य को अज्ञानता, माया-मोह और भ्रम से छुटकारा मिल जाता है।

'मान सरोवर अनंत न जाहि' इस साखी में कौन-सा अलंकार है?

- (a) अन्योक्ति
- (b) रूपक
- (c) श्लेष
- (d) उपमा

Answer

Answer: (a) अन्योक्ति

(अन्योक्ति अलंकार) क्योंकि मानसरोवर के माध्यम से आध्यात्मिक अर्थ की ओर संकेत है।

Question 6.

'मान सरोवर अनंत न जाहि' इस साखी में हंस और मानसरोवर किस-किस के प्रतीक हैं।

- (a) हंस परमात्मा का और मानसरोवर मन का प्रतीक
- (b) हंस जीवात्मा का और मानसरोवर आनंदवृत्ति वाले मन का एवं शून्य विकार के अमृत कुंड का प्रतीक है
- (c) हंस शून्य विकार का व मान सरोवर परमात्मा का प्रतीक है
- (d) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

Question 11.

कबीर दास ने किए

- (a) समाज सुधार के कार्य
- (b) आर्थिक सुधार के कार्य
- (c) धार्मिक कार्य
- (d) धार्मिक व आर्थिक दोनों

Answer

Answer: (a) समाज सुधार के कार्य
कबीरदास जी ने समाज सुधार के कार्य किए।

Question 12.

कबीर दास जी

- (a) सगुण के उपासक थे
- (b) सगुण और निर्गुण दोनों के उपासक थे
- (c) नास्तिक थे
- (d) निर्गुण के उपासक थे

Answer

Answer: (d) निर्गुण के उपासक थे
कबीरदास जी निर्गुण के उपासक थे।

